

11 लाख को रोजगार के लिए करार योगी बोले- श्रमिक हमारी ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा- कामगारों की स्किल मैपिंग शुरू, हर हाथ को काम के लिए सरकार संकल्पबद्ध

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पर राज्य सरकार तथा इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए), फिक्की, लघु उद्योग भारती और नारडेको के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इन एमओयू से प्रदेश के 11 लाख श्रमिकों व कामगारों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों से जितने भी श्रमिक व कामगार प्रदेश में आ रहे हैं, वे हमारी ताकत हैं। इस ताकत का इस्तेमाल प्रदेश के नव निर्माण के लिए करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों व कामगारों की स्किल मैपिंग का काम शुरू हो गया है। बड़ी संख्या में पेंटर, राजमिस्त्री, प्लंबर, पैरामेडिक्स, कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित विभिन्न क्षेत्रों के स्किल्ड लोगों की स्किल मैपिंग की जा रही है। सरकार हर हाथ को काम व हर घर को रोजगार देने के लिए संकल्पित है।

इस मौके पर औद्योगिक विकास



सीएम योगी मौजूदगी में चार कंपनियों से साइन किए गए एमओयू।

4 बड़ी कंपनियों से	एमओयू	रोजगार
आईआईए	3 लाख	3 लाख
फिक्की	3 लाख	3 लाख
लघु उद्योग भारती	2.5 लाख	2.5 लाख
नारडेको	2.5 लाख	2.5 लाख

मंत्री सतीश महाना, एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनोश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल समेत आईआईए, फिक्की, लघु उद्योग भारती तथा नारडेको के पदाधिकारी उपस्थित थे। - संबंधित पेज 3

श्रमिकों के लिए सरकार ने उठाए कदम

- श्रमिकों व कामगारों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार एक आयोग के गठन की कार्यवाही को आगे बढ़ा रही है। जिला स्तर पर सेवायोजन कार्यालयों को सक्रिय किया जा रहा है। इसकी मॉनीटरिंग राज्य स्तर पर गठित आयोग द्वारा की जाएगी।
- ऑनलाइन स्वरोजगार संगम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शुभारंभ अवसर पर ही 56,754 उद्यमियों को 2002.49 करोड़ का ऋण ऑनलाइन वितरित किया गया।
- 94 प्रतिशत से अधिक औद्योगिक इकाइयों ने लॉकडाउन के दौरान अपने श्रमिकों व कामगारों को मानदेय देने का कार्य किया है।

हर जरूरतमंद के साथ

- सीएम ने कहा- श्रमिकों-कामगारों की सुरक्षित वापसी कराते हुए 1000 रुपये का भरण-पोषण भत्ता एवं राशन किट दे रहे हैं।
- जनधन खाते में 500-500 रुपये की किश्त दो बार भेजी जा चुकी है।
- 86 लाख वृद्धावस्था, दिव्यांगजन तथा निराश्रित महिला पेंशन लाभार्थियों को दो माह की पेंशन का भुगतान एक साथ किया गया है।
- 33 लाख श्रमिकों को 1000 रुपये का भरण-पोषण भत्ता दिया।
- 18 करोड़ लोगों को पांच बार खाद्यान्न। 15 से 20 लाख जरूरतमंदों को प्रतिदिन फूड पैकेट।
- उज्ज्वला योजना के तहत 1.47 करोड़ लाभार्थियों को निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर दिए गए हैं।



श्रमिक बोझ नहीं, पूंजी

प्रवासी श्रमिकों को प्रदेश में ही रोजगार के लिए एमएसएमई विभाग ने कदम बढ़ाया है। कोविड-19 के चलते जिन राज्यों के लिए ये श्रमिक बोझ लग रहे थे, वही आज युपी की पूंजी बन चुके हैं। श्रमिकों को दक्षता के आधार पर विभिन्न उद्यमों में समायोजित कराने के लिए यह समझौता किया गया है। बाकी बचे श्रमिकों को भी रोजगार दिया जाएगा। अकुशल श्रमिकों को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाएंगे।

- सिद्धार्थनाथ सिंह, एमएसएमई मंत्री

UP govt signs MoUs for jobs to 11 lakh migrants



■ Chief minister Yogi Adityanath along with ministers, bureaucrats and other industry officials during signing of MoUs in Lucknow on Friday.

HT

HT Correspondent

■ letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: The state government on Friday signed memoranda of understanding (MoUs) with industry associations to provide jobs to 1.1 million (11 lakh) migrant labourers. These migrants have returned to the state due to the lockdown.

The MoUs were signed in the presence of chief minister Yogi Adityanath at his residence here.

Indian Industries Association (IIA), Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (Ficci), Laghu Udyog Bharati and National Real Estate Development Council (NREDCO) signed the MoUs with the UP government.

IIA and Ficci propose to provide work to 3 lakh migrant labourers EACH based on skill mapping exercise carried out by government while Laghu Udyog Bharati and NREDCO plan to give 2.5 lakh jobs each to migrants.

Speaking on the occasion, Yogi said Covid has not only adversely affected industrial activities, it has also disturbed normal life. He said the state government was committed to provide work to all and would use the strength of workers for building a new Uttar Pradesh.

He said skill mapping of migrant labourers has indicated that there were a large number of painters, plumbers, masons,

CONTINUED ON P 11